केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरनाकुलम क्षेत्र

आदर्श प्रश्न

कक्षा : बारह वीं **विषय : हिन्दी (केन्द्रिक)**

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं - क ख और ग। सभी खण्डों के उत्तऱ लिखना अनिवार्य है। कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खंड - 'क'

1. निम्न लिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1X5 =5)

इतने ऊँचे कि जितना उठा गगन है
देखो इस सारी दुनिया को दृष्टि से
संचित करो धरा, समता का भाव दृष्टि से
जाति भेद की, धर्मदेश की
काले गोरे, राग द्वेष की
ज्वालाओं से जलते जग में
इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है।
लो अतीत में उतना ही जितना पोषक है।
जीर्ण शीर्ण का मोह मृत्यु का ही द्योतक है
तोड़ो बंधन, रूके न चिंतन
गति जीवन का सत्य चिरंतन
धारा के शाश्वत प्रवाह में इतने गतिमय बनो कि जितना परिवर्तन है।

(क) जग को कौन - सी ज्वालाएं जला रही हैं?

(ख) कवि जग से कितना ग्रहण करने का आग्रह करता है?

(ग) जीवन का शाश्वत सत्य क्या है?

(घ) मृत्यु का द्योतक कौन -कौन सी चीजें हैं?

(ङ) इस कविता का मूल भाव क्या है?

2. निम्न लिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के जवाब दिजीए- (15)

उन्नीसवीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारतमें किसी - न किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदिदेशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जगाना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति- विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित, गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा। विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी,

दरिद्र -सभी को भाई मानें और गर्व से कहें - हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों में विवेकानद गाँधी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन उन्नीसवीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

(क) विवेकानंद कौन थे? उन्होंने क्या स्वप्न देखा था? 2

(ख) पश्चिम के उद्देश्यों से भिन्न भारत के बारे में उनका क्या मानना था? 2

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए - 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी? 2

(घ) विवेकानंद दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की ज़रूरत क्यों मानते थे? 2

(ङ) 'मनुष्य को मानव', 'आदमी को इंसान' बनाने से क्या तात्पर्य है? 2

(च) विवेकानंद के मत में भारतीयों को कैसी शिक्षा की ज़रूरत है? 1

(छ) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए - 1
अभिव्यक्त, भारतीयता।

(झ) रचना के अनुसार वाक्य - भेद बताइए - 1
भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है।

(ञ) विशेषण बनाइए - 1
पश्चिम, चितंन

खण्ड 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए - (5)

(क) इंटरनेट से लाभ और हानियाँ

(ख) साहित्य समाज का दर्पण है।

(ग) उपभोक्ता संस्कृति और भारतीय समाज

(घ) भारत में खेल-कूद की वर्तमान स्थिति

4. 'महँगाई के बढ़ते चरण' पर चिंता प्रकट करते हुए 'नवजागरण' के मुख्य संपादक को एक पत्र लिखिए। (1X5)

अथवा

आपके इलाके में सड़क को चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से अधिक पेड़ काटे गए हैं, इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए वन और पर्यावरण विभाग के मुख्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

5.(अ) निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए (1X5)

(क) 'बीट' किसे कहते हैं?

(ख) 'डेडलाइन' से क्या तात्पर्यै है?

(ग) 'फ्लैश' या 'ब्रेकिंग न्यूज़' से क्या आश्य है?

(घ) अंशाकालिक पत्र कार किसे कहते है?

(ङ) भारत की पहली बोलती फिल्म का नाम दीजिए।

(आ) 'बढ़ती हुई कृषक आत्महत्या' पर एक आलेख तैयार कीजिए। (1X5)

अथवा

'महाशक्ति के रूप में उभरता हुआ भारत' विषय पर एक संपादकीय लिखिए।

6. किसी एक विषय पर फीचर लिखिए (1X5)

(क) कश्मीर - भारत का स्वर्ग

(ख) बाल मज़दूरी - भीषण अभिशाप

खंड़ 'ग'

7. निम्न लिखित काव्यांशों को पढ़िए और किसी एक काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ (4X2= 8)
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ
हों जिसपर भूपों का प्रासाद नीछावर
मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ।
मैं रोया, इसको तुम कहते हो गाना
मैं फूट पड़ा, तुम कहते छंद बनाना
क्यों कवि कहकर संसार मुझे अपनाए
मैं दुनिया का हुँ एक नया दीवाना।

(क) कवि 'निज रोदन में राग' एवं 'शीतल वाणी में आग' के माध्यम से क्या भाव व्यंजित करना चाहता है?

(ख) कवि नें इस कविता में अपने जीवन को किस रूप में जीने की बात कहीं है?

(ग) संसार के लोगों की मानसिकता को कवि ने कैसे स्पष्ट किया है?

(घ) उपर्युक्त काव्यांश का भावसौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

यह तेरी रण - तरी
भरी आकांक्षाओं से
घन, भेरी - गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के आशओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल!

(क) इस पद्यांश के कवि तथा कविता का नाम दीजिए।

(ख) बादलों की युद्ध - नौका में क्या भरा है? बादलों के आगमन से किन्हें और कैसे लाभ मिलेगा?

(ग) कौन सिर ऊँचा कर देख रहे है? क्यों ?

(घ) बादलों को 'विप्लव के बादल' क्यों कहा गया है?

8. निम्न लिखित काव्यांशों को पढ़िए और किसी एक पर पूछे गए प्रश्नों के जवाब दीजिए -

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक (3X2=6)
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की

गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त उपमानों का उल्लेख किजिए।

(ख) काव्यांश में प्रयुक्त अलंकारों को स्पष्ट कीजिए?

(ग) काव्यांश की भाषागत विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छायी है घटा गगन की हलकी - हलकी
बिजली की तरह चमक रहे है लच्छे
भाई के है बाँधती चमकती राखी।

(क) प्रयुक्त अलंकारों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए?

(ग) भाषागत विशेषता एवं छन्द की चर्चा कीजिए।।

9. निम्न लिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3+3 =6)

(क) दूरदर्शन वाले कैमरे के सामने किसी दुर्बल को क्यों लाते हैं?

(ख) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?

(ग) 'रस का अक्षय पात्र' से कवि उमाशंकर जोशी ने रचनाकर्म की किन विशेषताओं की ओर इंगित किया है?

10. नीचे दिए गए गद्यांशों को पढ़िए और किसी एक पर आधारित प्रश्नों के जवाब दीजिए। (4X2=8)

बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है। पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकालनेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहूँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ।

(क) लेखक ने क्यों कहा कि बाज़ार में एक जादू है?

(ख) बाज़ार के जादू की क्या मर्यादा है?

(ग) 'मन खाली होने' से क्या अभिप्राय है ? यह खालीपन बाज़ारवाद को कैसे बढ़ावा देता है?

(घ) आज का उपभोक्ता जेब खाली होने पर भी खरीदारी करता है, यह समाज की किस प्रवृत्ति की ओर संकेत करता है? आप ऐसा क्यों मानते हैं

अथवा

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन - धूप, वर्षा, आँधी, लू-अपने आपमें सत्य नहीं है? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार - काट, अग्निदाह,

लूट-पाट, खून -खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है।

(क) शिरीष के वृक्ष की तुलना अवधूत से क्यों की गई है? यह वृक्ष लेखक में किस प्रकार की भावना जगाता है?

(ख) चिलकती धूप में भी सरस रहने वाला शिरीष हमें क्या प्रेरणा दे रहा है?

(ग) गद्यांश में देश के ऊपर से किस बवंडर के गुज़रने की ओर संकेत किया गया ?

(घ) "अपने देश का एक बूढ़ा" - कौन था? उस बूढ़े और शिरीष में समानता का आधार लेखक ने क्या माना है?

11. निम्नलिखत में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (4X3 =12)

(क) 'भक्तिन' पाठ के आधार पर भक्तिन की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किसी प्रकार सही ठहराया?

(ग) लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरू कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है?

(घ) चार्ली सबसे ज़्यादा स्वयं पर कब हँसता है?

(ङ) जाती प्रथा भारतीय समाज में बेरोज़गारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बनती रही है?

12. किन्हीं दो प्रश्नों के जवाब दीजिए- (3+3 =6)

(क) यशोधर बाबू सरल और सादगीपूर्ण जीवन के समर्थक हैं - सिद्ध कीजिए।

(ख) कविता के प्रति लगाव से पहले और बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया?

(ग) ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी "किट्टी" को संबोधित चिट्ठी के रूप में क्यों लिखी होगी?

13. निम्नलिखत प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए - (2+2 =4)

(क) 'सिलवर वैडिंग' कहानी की मुख्य समस्या क्या है?

(ख) 'जूझ' कहानी क्या सन्देश देती है?

(ग) सिंधु घाटी की सभ्यता को जल - संस्कृति क्यों कहा जाता है?

14. ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी में नारी - स्वतंत्रता की जो कल्पना की है, उसका परिचय दीजिए। आज उस स्थिति में कितना परिवर्तन आया है? (1X5 =5)

अथवा

मुअनजो -दड़ो की नगर - रचना का वर्णन कीजिए।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एरनाकुलम क्षेत्र
आदर्श प्रश्न पत्र, वर्ष 2012 -13

कक्षा : बारह वीं | **उत्तर संकेत** | **विषय : हिन्दी (केन्द्रिक)**

समय : 3 घण्टे | **अधिकतम अंक : 100**

खंड - 'क'

1. (क) जाति भेद धर्म -देश, काले -गोरे, राग द्वेष आदि की ज्वालाएँ 1
   (ख) जितना जीवन का पोषक है, समाज की भलाई केलिए है, उतना 1
   (ग) गतिमय बनना, गति या परिवर्तन 1
   (घ) जीर्ण शीर्ण का मोह 1
   (ङ) सभी भेद -भावों को मिटाकर, समता की भावना से उन्नति की ओर बढ़ना प्राचीन संस्कृति की अच्छाइयों को स्वीकार करना, बुराइयों को छोड़ना, नए नए परिवर्तनो के साथ आधुनिकता की ओर बढ़ना। 1

2. (क) एक भारतीय साधु तथा चिंतक थे। पश्चिम और पूर्व के श्रेष्ठ तत्वों को मिलाकर आधुनिक भारत के निर्माण का सपना देखा था। 2
   (ख) भारत कुसंस्कार और जाति -द्वेष से ग्रस्त है। यहाँ के गरीब लोग सज्जन हैं। उनका उत्थान करता है। 2
   (ग) दरिद्र लोगों को ईश्वर का अंश मानकर उन्की सेवा करनी चाहिए। 2
   (घ) क्योंकि दरिद्र लोग स्वभाव से सज्जन हैं। उनकी अपेक्षा धनी लोगों को संस्कार और प्रकाश की आवश्यकता है। 2
   (ङ) मनुष्य को मानव बनाना - श्रेष्ठ गुणों से संपन्न या संस्कारी बनाना, आदमी को इंसान बनाना -उसमें इसानियत या हमदर्दी की भावना पैदा करना। 2
   (च) संस्कारी मानव और हमदर्द इंसान बनाने योग्य शिक्षा 1
   (छ) विवेकानन्द के सपनों का भारत या अन्य उपयुक्त शीर्षक 1
   (ज) 'अभि' उपसर्ग, ईय + ता प्रत्यय 1
   (झ) मिश्रवाक्य 1
   (ञ) पश्चिमी, चिंतनशील/चिंतक 1

खण्ड 'ख'

3. किसी एक विषय पर निबन्ध अपेक्षित-
   भूमिका और उपसंहार 1
   विषय वस्तुः कम से कम तीन प्रमुख बिन्दुओं पर विमर्श। 3
   शुद्ध भाषा एवं प्रभावी प्रस्तुतीकरण 1
4. किसी एक प्रश्न पर पत्र अपेक्षितः
   प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ 2
   प्रश्नानुसार विषय वस्तु का प्रतिपादन 2
   शुद्ध भाषा एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण 1

5.(अ) (क) लेखन या रिपोर्टिंग का विशेष कार्यक्षेत्र 1

(ख) किसी समाचार को छपने या प्रसारित करने केलिए निर्धारित समय -सीमा को डेडलाइन कहते है। 1

(ग) कोई भी बड़ी खबर कम -से कम शब्दों में दर्शकों तक तत्काल पहुँचाना 1

(घ) किसी समाचार -संगठन के नियमित वेतन भोगी न होकर निश्चित मानदेय के आधार पर काम करने वाले पत्रकार । 1

(ङ) आलमआरा 1

(आ) प्रारंभ और समापन 2

विषय एवं प्रभावी प्रस्तुति 2

उपयुक्त भाषा (सरल, सहज, रोचक) 1

6. प्रारंभ और समापन 2

प्रभावी प्रस्तुति 2

उपयुक्त भाषा 1

खंड 'ग'

7. (क) निज रोदन में राग - सांसारिक दुख की स्थिति में भी प्रेम प्रकट करने की बात शीतल वाणी में आग - कोमलता में भी क्रान्ति के भाव को जागृत करने की बात। 2

(ख) कवि इस कविता में अपने आप को दीवानों की तरह जीवन जीने की बात करता है। 2

(ग) कवि कहता है कि इस संसार में कोई किसी की वास्तविकता को सही ढंग से नहीं समझता। परिस्थितियों में घबराकर कोई रोता है तो लोग उसे गाना या कविता करना समझते है। 2

(घ) कवि ने जीवन की विरोधी परिस्थितियों में भी प्यार के संसार का निर्माण करना चाहा है। अपने इस विशेष स्वभाव का परिचय देते हुए वे इस बात में दुख प्रकट कर रहे हैं कि दुनिया किसी को भी सही ढंग में नहीं समझती। 2

अथवा

(क) कवि - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' कविता - बादल राग 2

(ख) क्रांति की आकांक्षा भरी है। धरती की कोख में सोए अंकुरों को लाभ मिलेगा। वे वर्षा के पानी पीकर लहलहा उठेंगे। उन्हें विकास का अवसर मिलेगा। 2

(ग) पृथ्वी के उर में सोए हुए अंकुर नवजीवन की आशा में सिर ऊँचा कर देख रहे हैं। पानी के बरसने से उन्हें नया जीवन मिलेगा। 2

(घ) घनघोर वर्षा के द्वारा बादल सोए हुए अंकुरों को नव जीवन प्रदान करता है। भेरी -गर्जन और वर्षा द्वारा वह पृथ्वी में परिवर्तन और विकास लाता है। 2

8. (क) i) स्लेट पर लाल खडिया चाक (उषा कालीन सूरज की लालिमा एवं अंधकार के मिश्रण केलिए) 2

ii) नील जल में झिलमिलाती गोरी देह (नीले आकाश में उगता सूरज) 2

(ख) i) स्लेट पर .... मल दी हो - उत्प्रेक्षा

ii) नील जल - अनुप्रास

iii) नील जल .... जैसे हिल रही हो - उत्प्रेक्षा 2

(ग) सरल और लघु शब्दावली का प्रयोग, ग्रामीण जीवन के शब्द, चित्रात्मक भाषा, अलंकृत भाषा 2

अथवा

(क) हलकी - हलकी - पुनरुक्ति प्रकाश
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे - उपमा 2

(ख) नन्हीं बालिका द्वारा नन्हे -से भाई की कलाई पर राखी बाँधने का अत्यन्त मनोरम चित्र इसमें प्रस्तुत किया गया है। 2

(ग) भाषा रसमयी, प्रवाहमयी और सहज है। दृश्य बिंब एवं चित्रात्मकता। आलंकारिक भाषा छन्द - रुबाई 2

9. (क) दूसरों का दुख सभी का ध्यान आकृष्ट कर लेता है। यह जानने वाले दूरदर्शन के लोग स्वार्थ लाभ केलिए जानबूझकर किसी दुर्बल को कैमरे के सामने लाते है। दुर्बल की दयनीयता पर दर्शक रोएँ तो कार्यक्रम सफल बनेगा। खूब कमाई होगी।

(ख) लक्ष्मण की मूर्च्छा से भयभीत और दुखी होकर सभी विलाप कर रहे थे। वातावरण ही करुणग्रस्त हो गया। तभी हनुमान संजीवनी बूटी लेकर आ गए। राम का शोक शान्त हो गया। आशा और उत्साह का संचार हो गया। शोकग्रस्त वातावरण वीर रसात्मक हो गया। 3

(ग) कवि ने कविता को रस का अक्षयपात्र कहा है। कविता में निहित सौदर्य, रस और भाव कभी नष्ट न होता है। अनंत काल तक वह रस प्रदान करती रहती है। पाठक इसका आस्वादन करते रहते हैं। 3

10. (क) बाज़ार की लुभाने वाली वस्तुओं के प्रति ग्राहक के मन में हमेशा आकर्षण होता है। 2

(ख) वह केवल उन लोगों पर असर करता है जिनके मन खाली होते हैं किंतु जेब भरी होती हैं। 2

(ग) मन में आवश्यक चीज़ों की जानकारी न होना । बिना किसी ज़रूरत के बाज़ार जाना। ऐसे लोग बिना किसी आवश्यकता के ढेर सारा सामान खरीद लेते है। 2

(घ) यह समाज की उपभोक्तावादी प्रवृत्ति की ओर संकेत करता है। क्योंकि बेकार चीज़े खरीदने की आदत हमें अपनी मान - मर्यादा खोकर या कर्ज में भी आनावश्यक चीज़ें खरीदने की प्रेरणा देती है। 2

अथवा

(क) क्योंकि यह कठिन परिस्थितियों में भी सरस रहता है। यह वृक्ष लेखक में संघर्षशील, जुझारू और सरस बनने की प्रेरणा जगाता है। 2

(ख) कठिन -से -कठिन परिस्थितियों में भी मस्त रहने की 2

(ग) देश के ऊपर से मार -काट, अग्निकांड़. लूट - पाट और खून - खच्चर रूपी बवंडर 2

(घ) महात्मागाँधी। दोनों कठिन और विषम परिस्थितियों में मस्त होकर जी सके। 2

11. (क) सेविका होने पर भी माँ जैसी ममता और अधिकार रखती है। स्वभाव से कर्कश, कठोर, रूखी और दुराग्रही होने के बावजूद महादेवी के प्रति आदर, समर्पण और विनय दिखाती है। स्वामिन को सबसे महान मानती है। स्वामि भक्ति एवं सेवा अनुकरणीय है। (3)

(ख) देवता से कुछ पाने केलिए पहलो कुछ दान और त्याग करना पड़ता है। किसान पाँच -छः सेर अनाज त्यागते है तो ३० - ४० मन अनाज पाते हैं। इन्दर सेना पर पानी फेंकना, पानी का दान देना है। (3)

(ग) उसने कुश्ती के दाँव - पेंच किसी गुरू से नहीं सीखे थे। ढ़ोलक की आवाज़ से उसे कुश्ती करने

की प्रेरणा मिलती है - दाँव - पेंच बनाता है चाँद सिंह जैसे पहलवान को परास्त करता है। कुश्ती जीतने पर सबसे पहले वह ढ़ोल का प्रणाम करता है। वह ढोल को ही अपना गुरू मानता है। (3)

(घ) जब वह स्वयं गर्वोन्मत, आत्म - विश्वास से लबरेज सफलता, सभ्यता, संस्कृति तथा समृद्धिध की प्रतिमूर्ति दूसरों से ज्यादा शक्तिशाली तथा श्रेष्ठ, अपने वज्रादपि, कठोराणि' अथवा 'मृदनि कुसुमादपि' क्षण में दिखता है। (3)

(ङ) जाति प्रथा व्यक्ति को पैतृक पेशे से अलग अन्य पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती। तकनीकी विकास के कारण कभी कभी पेशा बदलने को बाध्य होता है। लेकिन जाति प्रथा यदि पेशा बदलने नहीं देती तो बेरोज़गारी व भुखमरी की स्थिति आ जाएगी। (3)

12. (क) आधुनिकता के प्रति मोह नहीं। साइकिल पर ऑफिस जाने को तैयार होता है। फटा हुआ पुलोवर पहनकर सुबह दूध लेने जाता है। सरकारी क्वार्टर छोड़ने को तैयार नहीं होता। सिलवर वैडिंग मनाना अच्छा नहीं लगता। (3)

(ख) पहले ढोर चराते हुए, पानी लगाते हुए, अकेलापन बहुत खटकता था। किसी के साथ बोलते, गपशप करते, हँसी - मज़ाक करते काम करना चाहता। कविता के प्रति लगाव के बाद उसे अकेलापन अच्छा लगता है। अपने आप से खेलने लगा, कविता ऊँची आवाज़ में गाने लगा। अभिनय करने लगा। (3)

(ग) ऐन किशोरी है । उसमें भावनाओं का वेग जब तेज़ होता है, किसी के साथ बातें करना चाहती है। लेकिन कोई भी उसकी भावनाओं को समझनेवाला नहीं है। भूमिगत आवास के कारण बाहर भी नहीं निकल सकती। विवश होकर वह अपनी गुड़िया किट्टी का संबोधन करते हुए डायरी लिखती है।

13. (क) बदलते हुए समाज में पुराने चारित्रों का पराजय और पीढियों का अंतराल। (2)

(ख) पाठकों को संघर्ष करने की सीख लेखक ने दी है। सहनशीलता, धैर्य, हिम्मत और संघर्ष से विकट परिस्थितियों में भी लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है। (2)

(ग) नदी, कुएँ, कुंड, स्नानागार और पानी - निकासी की व्यवस्था के कारण इसे जल - संस्कृति कहते हैं। (2)

14. ऐन मानती है - पुरुष अपनी शारीरिक क्षमता के कारण नारियों पर शासन करते हैं। नारियों को उचित सम्मान नहीं मिल रहा है। बच्चे को जन्म देने का कष्ट युद्ध में लड़नेवाले सैनिकों से कम नहीं। बच्चों को पैदा करने के संबन्ध में सारा निर्णय औरतों को ही लेना चाहिए।
आज एक हद तक यह स्थिति बदल चुकी है। शिक्षित समाज में स्त्री की स्थिति पुरुषों से भी बेहतर है। वह हर कहीं सम्मान पा रही है। (5)

अथवा

यह शहर दो सौ हैक्टेयर क्षेत्र में फैला था। आबादी करीब पचासी हज़ार थी। पाँच हज़ार साल पहले यह 'महानगर' की परिभाषा को लाँघता होगा। यह छोटे - मोटे टीलों पर बनाया गया था। कच्ची - पक्की ईंटं से बनाया गया था। सड़कें सीधी या फिर आड़ी। घर एक ही पंक्ति में बनाए गए थे। हर घर में स्नानघर, गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था बनाई गई थी। (5)

हिन्दी (केंन्द्रिक)

समय : ३ घंटे **प्रश्नपत्र का प्रारूप (ब्लू प्रिंट) कक्षा : १२** **अधिकतम अंक : १००**

	प्रश्न संख्या	उद्देश्य	ज्ञानात्मक			बोधात्मक			अभिव्यक्ति			कुल प्रश्न	कु लअंक
		प्रश्न प्रकार	अति लघू.	लघू.	निबंधा.	अति लघू.	लघू.	निबंधा.	अति लघू.	लघू.	निबंधा.		
खण्ड क	1	अपठित पद्यांश	1(1)	4(4)								5	5
	2	अपठित गद्यांश	1(1)	4(2)		4(4)	6(3)					10	15
खण्ड ख	3	निबंध लेखन			1(-)			2(-)			2(-)	1	5
	4	पत्र लेखन	1(-)				2(-)				2(-)	1	5
	5 अ	अभिव्यक्ति और मध्यम (प्रिंट माध्यम)	1(1)	2(2)			2(2)					5	5
	5 आ	अभिव्यक्ति और माध्यम आलेख/संपादकीय रिपोर्ट			1(-)			2(-)			2(-)	1	5
	6	फ़ीचर लेखन			1(-)			2(-)			2(-)	1	5
खण्ड ग	7	आरोह भाग-२ काव्य भाग		2(1)			4(2)			2(1)		4	8
	8	आरोह भाग - २ काव्य भाग		2(1)				2(1)			2(1)	3	6
	9	आरोह भाग -२ काव्य भाग					6(2)					2	6
	10	आरोह भाग -२ गद्य भाग		2(1)			4(2)			2(1)		4	8
	11	आरोह भाग -२ गद्य भाग						9(3)			3(1)	4	12
	12	वितान भाग -२						6(2)				2	6
	13	वितान भाग -२		2(1)						2(1)		2	4
	14	वितान भाग -२			1(-)			2(-)			2(-)	1	5